सामान्य विषय–3

संस्कृत

कक्षा षिक्षणः विषयवस्तु

- संस्कृत वर्णपरिचय व उनके ध्वनि उच्चारण स्थान का ज्ञान।
- सन्धि प्रकरण – प्रकार, सूत्र, नियम निर्देश सहित सन्धि विग्रह एवं सन्धि करने का ज्ञान।
- समास प्रकरण – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, बहुब्रीहि व द्वन्द्व समास का ज्ञान।
- शब्द रूप – शब्द प्रकार, वचन व विभक्तियों का ज्ञान।
- धातुरूप – लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् व लृट्लकार का पुरुष व वचन सहित ज्ञान।
- कारक विभक्ति एवं चिह्न का ज्ञान।
- सुभाषित श्लोकों का सस्वर पाठ व अनुकरण वाचन।
- पाठ्यपुस्तक के अंशों का सुलेख, अनुलेख, श्रुतलेख एवं सरल अनुवाद।
- संवाद पाठों पर आधारित संस्कृत में छोटे–छोटे वाक्यों की रचना करने का ज्ञान।
- हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।
- उपसर्ग, प्रत्यय एवं वाच्य परिवर्तन का ज्ञान।
- एक से पचास तक संस्कृत संख्याओं का ज्ञान।
- संभाव्य शिक्षण विधाएँ – शिक्षक प्रशिक्षण में क्रियाकलाप आधारित शिक्षण–अधिगम का ज्ञान, मॉडल, गेम, वीडियो क्लिप, ऑडियो क्लिप, प्रयोग तैयार करके, श्यामपट्ट कार्य के द्वारा, शब्द पट्टिका, चार्ट, कठिन शब्दों के चार्ट व उच्चारणाभ्यास के के द्वारा अभिनय व प्रश्नोत्तर, प्रशिक्षक–शिक्षक सहभागिता आदि के द्वारा प्रभावी शिक्षण के सम्भव है।

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को संस्कृत के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video clip, Audio clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

- संस्कृत विषय की कठिनाईयों से सम्बन्धित एक क्रियात्मक शोध।
- स्वनिर्मित षिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण व प्रयोग।
- संस्कृत में निबन्ध/पत्र लेखन।
- संस्कृत में वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा अभिलेखीकरण।
- विभिन्न संस्कृत ग्रन्थों/कृतियों/रचनाकारों पर चार्ट/प्रस्तुतीकरण तैयार करना।